जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

2 सितम्बर 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में एनईपी 2020 पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिइ) में शिक्षा संकाय के शिक्षा स्कूल ने "ट्रांसफॉर्मेटिव रिफॉर्म्स इन एनईपी 2020: प्रेजेंट इनिशिएटिव्स एंड रोड अहेड" पर दो दिवसीय (31 अगस्त-01 सितम्बर 2021) राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार का उद्घाटन प्रो. विजय कुमार शुक्ला, कुलपति, बीएचयू और प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया ने किया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा ने अपने समापन भाषण में कहा कि इस नीति के कार्यान्वयन के कुछ सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं की थोड़ी गहराई से जांच करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा- "इस धारणा के कारण कि अंग्रेजी भाषा की महारथ जीवन में सफलता सुनिश्चित करती है, माता-पिता अपने बच्चों को शिक्षा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना 'अंग्रेजी-माध्यम' स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है"।

प्रो. सिन्हा ने यह भी कहा कि एनईपी के अनुसार, क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग करने का उद्देश्य न केवल एक बच्चे के सीखने के परिणामों में सुधार करना है, बल्कि "भारत के ज्ञान को विकसित करना" भी है। इसे "राष्ट्रीय गौरव, आत्मविश्वास, आत्म-ज्ञान, सहयोग और एकीकरण के उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है"। उन्होंने निर्दिष्ट किया कि शिक्षा नीति कार्यान्वयन नीचे से ऊपर और साथ ही ऊपर से नीचे तक निरंतर बातचीत की एक बहुआयामी प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' शिक्षा प्रणाली की बेहतरी में पूरे समाज की भागीदारी को सुगम बनाएगी, जो इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेगी कि हम जिस प्रणाली के भीतर रहते हैं, उसके साथ कैसे रहें और कार्य करें।

प्रो. नजमा अख्तर, कुलपति, जामिया ने केंद्र और राज्य सरकारों की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, कि इस शिक्षा नीति का भाग्य पिछली नीतियों से बहुत अलग होने जा रहा है। केंद्र सरकार का नेतृत्व नीति के कार्यान्वयन के लिए कई कार्य योजनाओं को तैयार करने की पहल करने में बहुत गंभीर कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि समय और संसाधनों को देखते हुए, यह नीति हमारे देश में सभी स्तरों पर शिक्षण और सीखने के पूरे परिदृश्य को नया रूप देने जा रही है।

पैनल डिस्कशन में पहले दिन प्रो. राम शंकर कुरील, पूर्व संस्थापक कुलपति, बाबा साहेब अम्बेडकर यूनिवर्सिटी ऑफ सोशल साइंसेज, मध्य प्रदेश; प्रो. आरपी तिवारी, कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब, भटिंडा; प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा; और प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार) उपस्थित रहे। दूसरे दिन मुंगेर

विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति, प्रोफेसर रंजीत के वर्मा द्वारा आमंत्रित वार्ता हुई, जिसकी अध्यक्षता मानू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद मियां ने की। शोध विद्वानों, शिक्षाविदों और नीति कार्यान्वयन कर्ताओं द्वारा इक्कीस पत्र प्रस्तुत किए गए।

वेबिनार के संयोजक प्रो एजाज मसीह, नोडल अधिकारी, स्कूल ऑफ एजुकेशन और सह-संयोजक डॉ सविता कौशल, एसोसिएट प्रोफेसर, आईएएसई, जामिया मिल्लिया इस्लामिया थे। आयोजन दल में डॉ अंसार अहमद, सहायक प्रोफेसर, आईएएसई, डॉ सज्जाद अहमद और डीईएस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डॉ जावेद हुसैन सहायक प्रोफेसर और सुश्री वंदना, रिसर्च स्कॉलर, डीईएस, जेएमआई शामिल थे।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया